If

Comprehension Questions

Question 1. Who is the speaker ? What does the poem reveal about the speaker's character? वक्ता कौन है? यह कविता वक्ता के चरित्र के विषय में क्या उजागर करती है?

Answer: The poet himself is the speaker. The poem indirectly reveals the virtues of the speaker's character. It seems that the poet himself is a humble, practical, optimistic, hard working, disciplined and self confident man as he has appreciated these virtues and inspires his readers to follow them.

वक्ता स्वयं कवि है। कविता अप्रत्यक्ष रूप से वक्ता के चरित्र के सद्गुणों को उजागर करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि कवि स्वयं एक विनम्र, व्यावहारिक, आशावादी, परिश्रमी, अनुशासित और आत्म-विश्वास से पूर्ण व्यक्ति है क्योंकि वह इन गुणों की प्रशंसा करता है और अपने पाठकों को इन गुणों को अपनाने हेतु प्रेरित करता है।

Question 2. "Keep your head" why would this be important ? What does Kipling mean "to trust yourself when others doubt you"? मानसिक संतुलन को बनाये रखना" यह महत्त्वपूर्ण क्यों होगा? "स्वयं पर विश्वास रखो जब अन्य लोग आप पर संदेह करें" से Kipling का क्या आशय है?

Answer: It would be important to "keep your head" (be sensible) because when other people may lose their peace of mind, we should be sensible, otherwise the problem will become more serious. By "to trust yourself when others doubt you" poet means that when others doubt us, we should not lose our self confidence. If we are sincere and honest, we should trust ourselves without caring for others.

'मानसिक संतुलन को बनाये रखना' महत्त्वपूर्ण होगा क्योंकि जब अन्य सभी लोग अपना मानसिक संतुलन खोयें, तो हमें अपना मानसिक संतुलन बनाये रखना चाहिये अन्यथा समस्या और भी गंभीर हो जायेगी। "जब अन्य लोग आप पर संदेह करें तो आप स्वयं में विश्वास रखें" इससे कवि का आशय है कि दूसरों के संदेह करने पर भी हम अपनी आत्म-विश्वास न खोयें। यदि हम सही और ईमानदार हैं तो हमें बिना किसी की परवाह किये स्वयं पर विश्वास रखना चाहिये।

Question 3. How does one make allowances for doubting? Why is this important ? किसी के द्वारा संदेह या आलोचना किये जाने पर व्यक्ति बिना प्रतिक्रिया उसे कैसे लेता है? यह महत्त्वपूर्ण क्यों है?

Answer: One does this by keeping the balance of mind. The person should not lose his temper. He should have self confidence. This is important to be successful in life. If one keeps reacting everybody's point, one would not be able to concentrate on his aim.

व्यक्ति ऐसा अपना मानसिक संतुलन बनाये रखकर करता है। व्यक्ति को क्रोधित नहीं होना चाहिये। उसमें आत्मविश्वास होना चाहिये। यह जीवन में सफल होने के लिये महत्त्वपूर्ण है। यदि व्यक्ति अन्य प्रत्येक व्यक्ति की बात पर प्रतिक्रिया देता रहेगा, तो अपने लक्ष्य पर केन्द्रित नहीं हो पायेगा।

Question 4. Why does the poet recommend not looking "too good" or "talking too wise"? कवि "अधिक अच्छा नहीं दिखने" या "अधिक बुद्धिमान नहीं बनने की सलाह क्यों देता है?

Answer: The poet recommends not looking "too good" or "talking too wise" because one should not try to show what one is not. People should be what they are. Instead of it, people should have self confidence and strong will power.

कवि "अधिक अच्छा न दिखने" या "अधिक बुद्धिमान ने बनने" (बुद्धिमान होने का दिखावा न करने की सलाह इसलिये देता है क्योंकि व्यक्ति को स्वयं को वैसा दिखाने का प्रयास नहीं करना चाहिये जैसा वह नहीं है। लोगों को वैसे ही दिखना चाहिये जैसे वे होते हैं। इसके बजाय लोगों में आत्म-विश्वास व दृढ़-इच्छाशक्ति होनी चाहिये।

Question 5. According to the poet, why is it not good to make 'dreams your master'? कवि के अनुसार 'स्वप्नों को अपना स्वामी' बनाना अच्छा क्यों नहीं है?

Answer: According to the poet, it is not good to make "dreams your master?. Instead of this, we should make efforts to turn our dreams into reality. We can never achieve success just by dreaming. So we should make our sincere efforts to achieve success, otherwise we will lose everything and will get only disappointment.

कवि के अनुसार अपने 'स्वप्नों को अपना स्वामी' बनाना अच्छा नहीं है। इसके स्थान पर, हमें अपने स्वप्नों को हकीकत (वास्तविकता) में बदलने के लिये प्रयास (कार्य) करने चाहिये। सिर्फ स्वप्न देखकर हम कभी भी सफलता हासिल नहीं कर सकते। इसलिये हमें सफलता पाने के लिये अपने उचित प्रयास करने चाहिये अन्यथा हम अपना सब कुछ खो देगें और हमें सिर्फ निराशा मिलेगी।

Question 6. Is the poet actually talking about *triumph and disaster" or how a person responds to those situations? What is he conveying here? क्या कवि वास्तव में "विजय और आपदा" (पराजय) के विषय में बात कर रहा है या फ़िर इस विषय में कि कोई व्यक्ति उन परिस्थितियों (दशाओं) में किस प्रकार प्रतिक्रिया करता है? यहाँ वह क्या कह रहा है?

Answer: The poet is actually not talking about any triumph and disaster. He has used these words symbolically. By triumph and disaster, he means fovourable or unfavourable conditions. He means to say that we should always be ready to accept success and failure equally. Neither we should be overjoyed at our success nor should feel shattered at our failure.

कवि वास्तव में किसी विजय या आपदा (पराजय) के विषय में बात नहीं कर रहा है। कवि ने इन शब्दों का प्रतीकात्मक उपयोग यहाँ किया है। विजय या आपदा (पराजय) से उसका अर्थ अनुकूल व प्रतिकूल परिस्थितियों से है। उसके कहने का अर्थ है कि हमें हमेशा समान रूप से सफलता व असफलता दोनों को स्वीकार करने के लिये तैयार रहना चाहिये। न तो सफलता पर जरूरत से अधिक खुश और न ही असफलता पर टूटा हुआ (अत्यधिक निराश) होना चाहिये।

Question 7. Why does the poet say "Yours is the Earth and everything that's in it" ? कवि क्यों कहता है कि "संसार और इसमें मौजूद प्रत्येक वस्तु तुम्हारी है?

Answer: The poet motivates his readers to make the best use of their time. We should keep an account of every second of our life. If we make the fullest and the best use of our time, our success is sure. Therefore the poet says, "Yours is the Earth and everything sthat's in it". It means no one can check you from becoming a successful person.

कवि अपने पाठकों को उनके समय का श्रेष्ठतम उपयोग करने हेतु प्रेरित करता है। हमें अपने जीवन के प्रत्येक क्षण को हिसाब रखना चाहिये। यदि हम अपने समय को पूर्ण और श्रेष्ठतम रूप से सदुपयोग करें, तो हमारी सफलता निश्चित है। इसलिये कवि कहता है, "यह संसार और इसमें मौजूद प्रत्येक वस्तु तुम्हारी हैं" इसका अर्थ हुआ कि तुम्हें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

Question 8. What does "unforgiving minute" suggest ? "Unforgiving minute" क्या सुझाव देता है?

Answer: "Unforgiving minute" suggests that we should keep an account of every second of our life. We should make the fullest and the best use of our time. If we waste even a minute of our time, it will not forgive us.

"Unforgiving minute" सुझाव देता है कि हमें अपने जीवन के प्रत्येक सेकेण्ड का हिसाब रखना चाहिये। हमें अपने समय का पूर्ण और सर्वोत्तम तरीके से सदुपयोग करना चाहिये। यदि हम एक मिनट भी व्यर्थ गंवायेंगे तो यह हमें क्षमा नहीं करेगा।

Creative Writing

Question 1. Write an essay on Inspirational and motivational techniques. Use appropriate imagery or figurative language. प्रेरणादायक व अभिप्रेरणादायक तकनीकों पर एक निबन्ध लिखिये। कल्पनाशीलता या आलंकारिक भाषा का प्रयोग करिये।

Answer: Inspiration and motivation plays an important role in our life. It helps us in achieving our goal. Samuel Smiles says, "With will one can do anything". Some of the inspirational and motivational techniques are as follows

- **Care for others –** Our genuine care about others inspire people to move ahead.
- **Encouragement –** If we encourage people in their tough times, they get inspired or motivated.
- **Share your own experiences –** If we share our own experiences of good or tough time, success or failure, people get inspired.
- **Be a good communicator –** Our effective communication inspires people to learn things.
- **Be enthusiastic –** Only an enthusiastic person can inspire and motivate others.
- **Be positive –** Without positive thinking, no one can inspire others. The same way no one can get inspired without positive thinking.

Virgil said-"They can because they think they can."

प्रेरणा व अभिप्रेरणा हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी मदद करता है।
Samual Smiles कहते हैं "इच्छाशक्ति हो तो कोई भी व्यक्ति कुछ भी कर सकता है। कुछ प्रेरणादायक व अभिप्रेरणादायक तकनीक निम्नलिखित हैं

- **दूसरों की देखभाल (चिन्ता) –** दूसरे लोगों के प्रति हमारी वास्तविक देखभाल उन्हें आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करती
- **उत्साहवर्धन –** यदि हम लोगों को उनके मुश्किल समय में उत्साहित करें तो वे प्रेरित होते हैं।
- **अपने अनुभव बाँटना –** यदि हम अपने अच्छे या बुरे दौर के या सफलता या असफलता के अनुभव लोगों के साथ। साझा करें, तो इससे उन्हें प्रेरणा मिलती है।
- **अच्छा संचारक बनें –** हमारे संवाद या बातचीत करने का | प्रभावशाली तरीका दूसरों को सीखने की प्रेरणा देता है।

- **उत्साहित बनें –** सिर्फ एक उत्साहित व्यक्ति ही किसी और को प्रेरित कर सकती है।
- **सकारात्मक बनें –** बिना सकारात्मक सोच के, कोई भी व्यक्ति किसी को प्रेरित नहीं कर सकता। इसी प्रकार बिना सकारात्मक सोच के कोई व्यक्ति प्रेरित नहीं हो सकता।

virgil ने कहा – "वे कर सकते हैं क्योंकि वे सोचते हैं कि वे (ऐसा) कर सकते हैं।"

Short Answer Type Questions

Answer the following **Question**s in about 30 words each :

Question 1. What is the poet's suggestion regarding being lied about and being hated' ? किसी के द्वारा 'झूठ बोले जाने' या.'नफरत किये जाने के सम्बन्ध में कवि का क्या सुझाव है?

Answer: Some people may spread rumours about us. They may tell lies about us. They may hate us. But the poet suggests us not to follow the policy of tit for tat. In turn, we should neither tell a lie nor hate others.

कुछ लोग हमारे विषय में अफवाहें फैला सकते हैं। वे हमारे विषय में झूठ बोल सकते हैं। वे हमसे नफरत कर सकते हैं। लेकिन कवि हमें जैसे को तैसा' वाली नीति नहीं अपनाने का सुझाव देता है। बदले में, हमें न तो झूठ बोलना चाहिये और न ही दूसरों से नफरत करनी चाहिये।

Question 2. Explain the phrase-not make thoughts your aim. विचारों को अपना लक्ष्य मत बनाओ-वाक्यांश की व्याख्या करिये।

Answer: The poet here suggests us that we should not just keep on thinking and thinking. Thoughts without action are meaningless. We should work to convert our thoughts into our aim or reality. We should be practical. यहाँ कवि हमें सुझाव देता है कि हमें सिर्फ सोचते और सोचते ही नहीं रहना चाहिये। बिना उद्देश्य के विचार अर्थहीन हैं। हमें अपने विचारों को अपने लक्ष्य अथवा वास्तविकता में बदलने के लिये कार्य करने चाहिये। हमें व्यावहारिक होना चाहिये।

Question 3. Why does the poet say-nor lose the common touch ? कवि क्यों कहता है-सामान्य लोगों के साथ सम्बन्ध (सम्पर्क) मत तोड़िये?

Answer: The poet motivates us to follow good qualities. He says that if we are in the company of great men, still we should keep contact with the common people. And in the company of common men, we should maintain our good qualities. कवि हमें सद्गुणों को अपनाने के लिये प्रेरित करता है। वह कहता है कि यदि हम महान लोगों के सम्पर्क में हों, तब भी हमें

सामान्य लोगों से सम्बन्ध बनाये रखने चाहिये। और सामान्य लोगों के साथ सम्बन्ध होने पर अपने अच्छे गुणों को बनाये रखना चाहिये।

Word-meanings and Hindi Translation

Stanza 1:

If you can ..... too wise; (Page 85) Word-meanings: keep your head (कीप यॉर हेड) = मानसिक संतुलन बनाये रखना/शान्त रहना। blaming: (ब्लेमिंग) = दोष लगाना। doubt (डाउट) = संदेह (शक)। make allowance (मेक अलाउन्स) = माफ करना, स्वीकार करना। lied about (लायड अबाउट) = तुम्हारे विषय में झूठ बोला। deal in lies (डील इन लाइज़) = झूठ बोलना। don't give way to hating = घृणा को स्थान मत दो, अर्थात् तुम घृणा मत करो।

हिन्दी अनुवाद-यदि तुम अपना मानसिक संतुलन रख सको जब तुम्हारे चारों ओर के लोग अपना संतुलन खो रहे हों और तुम पर दोष लगा रहे हों; यदि तुम स्वयं पर विश्वास रख सको जबकि सभी लोग तुम पर संदेह करते हों लेकिन उनके संदेह करने पर भी यदि तुम उन्हें माफ कर देते हो; यदि तुम प्रतीक्षा कर सकते हो और प्रतीक्षा से ऊबते नहीं हो; दूसरों के द्वारा तुम्हारे विषय में झूठ बोले जाने पर भी तुम झूठ नहीं बोलते हो; और जब दूसरे लोग तुमसे घृणा करते हों, तुम घृणा नहीं करते हो और फिर भी अधिक अच्छा बनने व अधिक बुद्धिमान बनने का दिखावा नहीं करते। (तो तुम श्रेष्ठ या पूर्ण मनुष्य बन सकते हो)।

Stanza 2:

If you can ..... wornout tools;(Page 85)

Word-meanings: triumph (ट्राइअम्फ्) = विजय। disaster (डिज़ास्टॅ) = असफलता, संकट। imposters (इम्पोस्टज़) = धोखेबाज। twisted (ट्विस्टिड) = अनुचित रूप से परिवर्तित किया हुआ (तोड़-मोड़ कर प्रस्तुत किया हुआ)। knaves (नेज) = चालाक व्यक्ति। trap (ट्रैप) = जाल, षड्यन्त्र। stoop (स्टूप) = bend झुकना ((here) (यहाँ) देख या सहन कर सकना। wornout tools (वॉन्आउट टूल्ज़) = दृढ़-निश्चिय व कठिन परिश्रम।

हिन्दी अनुवाद-यदि तुम स्वप्न देखते हो और स्वप्नों को अपना स्वामी नहीं बनाते हो; यदि तुम सोचते हो और विचारों को अपना लक्ष्य (उद्देश्य) नहीं बनाते हो (केवल मात्र सोचने से काम नहीं चलता, विचारों को अपने लक्ष्य या वास्तविकता में बदलने के लिए कार्य करना चाहिए); यदि विजय और पराजय नामक दोनों धोखेबाजों को समान भाव से देखते हो; (विजय में घमण्ड में चूर होना और पराजय में निराश न होना); यदि तुम उस सत्य को सुनना सहन कर सकते हो जो तुमने कहा है तथा जिसको चालाक लोगों द्वारा तोड़-मरोड़ कर मूर्ख लोगों (सीधे लोगों) के लिये षड्यन्त्र बनाने के लिये कहा जा रहा है; (अपनी कही हुई बात पर अडिग रहते हो तथा अपनी बात को यदि कोई विरोधी चालाकी से या स्वार्थवश तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत भी करे तब भी यदि तुम विचलित नहीं होते हो); अथवा तुम उन वस्तुओं को सहज भाव से टूटा हुआ देख सको

जिनके लिए तुमने अपना जीवन दे दिया (लगा दिया) और जिन्हें तुम फिर साहस तथा परिश्रम के औजारों से बना सको (तो तुम श्रेष्ठ/पूर्ण मनुष्य बन सकते हो)।

Stanza 3:

If you can ..."Hold on"; (Page85)

Word-meanings: heap (हीप) = ढेर। winnings (विनिंग्ज) = उपलब्धियाँ। pitch-andtoss (पिच-एण्ड-टॉस) = एक प्रकार का खेल जिसमें सिक्का फेंककर बाजी लगाई जाती है जिसमें हार-जीत का निर्णय भाग्य पर होता है। breath (ब्रेथ) = (here) कहना या बोलना। nerve and sinew (नःव एण्ड सिन्यु) = समस्त शक्ति व अन्य साधन। will (बिल) = इच्छा। hold on (हॉल्ड ऑन) = लगे रहना।

हिन्दी अनवाद-यदि तुम अपनी उपलब्धियों (अथवा परिश्रम द्वारा प्राप्त वस्तुओं) का ढेर बना सको अर्थात् उन्हें एकत्रित कर सको तथा उस सब को दांव लगाकर हार जाओ और पुनः अपना कार्य आरम्भ कर सकते हो और अपनी हानि के विषय में एक भी शब्द नहीं बोलते; यदि तुम तन व मन से पूरी तरह थक जाने पर भी अपनी इच्छाशक्ति को काम पर लगा सकते हो और दृढ़ बने रह सकते हो अर्थात निराश नहीं होते; जब तुम्हारे पास सिवाय उस दैवीय इच्छा शक्ति के जो तुम्हारी समस्त शक्तियों से कहती है 'लगे रहो', अलावा कुछ नहीं है (तो तुम श्रेष्ठ/पूर्ण मनुष्य बन सकते हो)।

Stanza 4:

If you can ..... my son! (Page 85)

Word-meanings: crowds (क्राउड्ज़) = साधारण या आम लोग। virtue (वरच्यु) = गुण। count (काउण्ट) = मान करना। foes (फोज़) = शत्रु। hurt (हःट) = तकलीफ, कष्ट। unforgiving (अन्फॉगिविंग) = क्षमा न किये जा सकने वाला। minute (मिनॅट) = समय, पल, क्षण। unforgiving minute (अनफॉगिविंग मिनॅट) = जो समय का सदुपयोग नहीं करता, समय उसे क्षमा नहीं करता। yours is the earth (योज इज़ दि अर्थ) = तुम अपने भाग्य के स्वामी बन जाते हो। 'Man' (मैन) = आदर्श मनुष्य।

हिन्दी अनुवाद-यदि तुम आम लोगों (साधारण या सामान्य) से वार्तालाप करने या उनके सम्पर्क में आने पर भी अपने गुणों को बनाये रखते हो अथवा राजा, महाराजा या अन्य बड़े लोगों की संगति प्राप्त होने पर भी आम लोगों के साथ अपना सम्बन्ध बनाये रखते हो; यदि तुम (इतने दृढ़ संकल्पी हो) कि न दुश्मन और न ही घनिष्ठ मित्र तुम्हें कष्ट पहुंचा सकें; यदि तुम सभी को उचित सम्मान देते हो लेकिन किसी को आवश्यकता से अधिक महत्त्व नहीं देते हो; यदि तुम एक मिनिट का समय भी बर्बाद नहीं करते और उसका पूर्ण सदुपयोग करते हो तो यह संसार तुम्हारा है और इसमें उपस्थित प्रत्येक चीज तुम्हारी है, सिर्फ इतना ही नहीं; मेरे पुत्र! इससे भी बड़ी बात है कि पुत्र! तुम एक आदर्श मनुष्य बन जाओगे।

Explanation with Reference to Context

Stanza 1:

If you can keep your head when all about you Are losing theirs and blaming it on you; If you can trust yourself when all men doubt you, But make allowance for their doubting too; If you can wait and not be tired by waiting, Or, being lied about, don't deal in lies, Or, being hated, don't give way to hating, And yet don't look too good, nor talk too wise;

Reference: These lines have been taken from the poem 'If' composed by Rudyard Kipling.

Context: In this stanza, the poet points out that by attaining some of the qualities in our practical life, we can become successful in life.

Explanation: The poet says that when other people lose their peace of mind and blame us, we should keep the balance of mind. When other people doubt us, we should forgive them without caring for them. If we are true and honest. We should trust ourselves. We should not care for the doubts of others. If we need wait, we should wait peacefully. When people tell a lie about us, we should not tell a lie in turn. When other people hate us, we should not do the same with them. We should not try to pose. We should be as good and wise as we are. If we can practice it all, we will be successful.

सन्दर्भ-ये पंक्तियाँ Rudyard Kipling द्वारा रचित कविता If' से ली गई हैं।

प्रसंग-इस stanza में कवि इंगित करता है कि कुछ गुणों को अपने व्यावहारिक जीवन में अपनाकर हम सफल बन सकते हैं।

व्याख्या-कवि कहता है कि जब दूसरे लोग अपना मानसिक संतुलन (धैर्य) खोयें और हमारे ऊपर दोष लगायें, हमें अपना मानसिक संतुलन बनाये रखना चाहिए। जब अन्य लोग हमारे ऊपर संदेह करें हमें उन्हें क्षमाकर देना चाहिए, तथा यदि हम सही व ईमानदार हैं तो हमें स्वयं पर विश्वास रखना चाहिये; यदि हमें प्रतीक्षा करने की आवश्यकता हो, तो हमें शान्तिपूर्ण रहकर प्रतीक्षा करनी चाहिये। जब लोग हमारे विषय में झूठ बोलें तो हमें बदले में झूठ नहीं बोलना चाहिये। जब अन्य लोग हमसे नफरत करें तो हमें भी बदले में वैसा ही व्यवहार (नफरतपूर्ण) नहीं करना चाहिये। हमें अपने विषय में दिखावा करने की कोशिश नहीं करनी चाहिये। हम जितने अच्छे व बुद्धिमान हैं हमें वैसा ही रहना चाहिये (अधिक अच्छे व बुद्धिमान होने का दिखावा नहीं)। यदि हम इन सदगुणों को जीवन में उतार सकें तो हम सफल होंगे।

Stanza 2:

If you can dream – and not make dreams your master; If you can think – and not make thoughts your aim; If you can meet with triumph and disaster And treat those two imposters just the same; If you can bear to hear the truth you've spoken Twisted by knaves to make a trap for fools, Or watch the things you gave your life to broken, And stoop and build them up with worn-out tools;

Reference: This stanza has been taken from the poem 'If' composed by Rudyard Kipling.

Context: The poet presents a realistic and noble picture of life before us. By following some qualities we can certainly become successful.

Explanation: Here the poet points out that we should not waste our time in day-dreaming, and in useless thoughts. We should work accordingly to turn our dreams and thoughts into reality (aim). We should accept both success and failure equally. We should not be overjoyed by our victories and totally disheartened by failures or troubles. We should have strength to hear the truth. It means we should have guts to hear what we have said, or what is presented wrongly by the dishonest people to trap (conspire against) simple people. If the things (achievements) for · which we dedicated all our life, get destroyed before us, we can bear it and regain them with the tools of our hard work and determination then we will be noble people.

सन्दर्भ-यह stanza 'Rudyard Kipling' द्वारा रचित कविता If' से लिया गया है।

प्रसंग-कवि हमारे समक्ष जीवन की वास्तविक व श्रेष्ठ तस्वीर प्रस्तुत करता है। कुछ सदगुणों को अपनाकर हम निश्चित रूप से सफल हो सकते हैं।

व्याख्या-यहाँ कवि कहता है कि हमें दिवास्वप्नों और व्यर्थ विचारों में अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहिये। हमें अपने स्वप्नों और विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिये उसी के अनुसार कार्य (प्रयास) करने चाहिये। हमें विजय (सफलता) व पराजय (असफलता) को समान भाव से स्वीकार करना चाहिये। विजय पर अत्यधिक उत्साहित और पराजय या मुश्किल में एकदम हतोत्साहित नहीं होना चाहिये। हमारे अन्दर सत्य (सच) को सुनने की ताकत होनी चाहिये. अर्थात हमारे अन्दर उसे सुनने की क्षमता होनी चाहिये जो हमने कहा है अथवा चालाक या बेईमान लोगों द्वारा जिसे तोड़-मरोड़ कर सीधे लोगों को फंसाने हेतु षड्यन्त्र बनाने के लिये कहा जा रहा है। वे वस्तुएँ या उपलब्धियाँ जिनके लिये हमने अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया, यदि हमारे सामने नष्ट हों, यदि हम इसे सहन कर सकें (देख सकें) और उन्हें अपने परिश्रम व दृढ़ निश्चय के अस्त्रों से पुनः प्राप्त (बना) कर सकें तो हम श्रेष्ठ लोग होंगे।

Stanza 3:

If you can make one heap of all your winnings And risk it on one turn of pitch-and-toss, And lose, and start again at your beginnings And never breath a word about your loss; If you can force your heart and nerve and sinew To serve your turn long after they are gone And so hold on when there is nothing in you Except the Will which says to them: "Hold on";

Reference: These lines have been taken from the poem 'If' composed by Rudyard Kipling.

Context: In these lines the poet encourages us to face our losses or failures and to keep up our determination.

Explanation: The poet says that if we pile all our things that we have gained and put them on risk and if we lose them, if we start working again and don't speak even a word for the loss; when we are physically and mentally tired even then if we can get determined to work (again), in other words, if we maintain ourselves without getting disappointed and if we have a strong will power to do anything, then we will be successful.

सन्दर्भ-ये पंक्तियाँ Rudyard Kipling द्वारा रचित कविता "If' से ली गयी हैं।

प्रसंग-इन पंक्तियों में कवि हमें हमारी हानियों अथवा असफलताओं का सामना करने और अपनी दृढ़ता (मजबूती) को बनाये रखने के लिये उत्साहित करता है।

व्याख्या-कवि कहता है कि यदि हम अपना सब कुछ जो भी हमने परिश्रम से अर्जित किया है उसका ढेर लगा दें और वह सब कुछ (सम्पूर्ण) पर दांव लगा दें और हार जायें और पुनः अपना कार्य आरम्भ करें उस हानि के प्रति बिना एक भी शब्द बोले, जब हम तन व मन से थक चुके हों तब भी यदि हम दृढ़तापूर्वक पुनः स्वयं को कार्य में लगा दें अर्थात् यदि हम निराश हुये बिना आगे बढ़ें तथा यदि हमारे पास किसी भी काम को करने की दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो हम सफल होंगे।

Stanza 4:

If you can talk with crowds and keep your virtue, Or walk with kings – nor lose the common touch; If neither foes nor loving friends can hurt you; If all men count with you, but none too much; If you can fill the unforgiving minute With sixty seconds' worth of

distance run Yours is the Earth and everything that's in it, And-which is more-you'll be a 'Man' my son!

Reference: These lines have been taken from the poem 'If' composed by Rudyard Kipling.

Context: In these lines, the poet inspires us to follow certain qualities in our life which are important to maintain balance in life and to get success in life.

Explanation: In these lines, the poet points out that if we mix up with common people, we should keep up our good qualities (virtues). In the same way if we are in the company of great men like kings, we should maintain contacts with the common men. We should treat both common and kingly people equally. In such situation neither enemies nor loving friends will hurt us. We should respect all without giving too much importance to. anybody. We should make the fullest and the best use of every minute. We should never waste our time. If we do all these things, success will be ours: Above all, we shall become 'Man' in the true sense.

सन्दर्भ-ये पंक्तियाँ Rudyard kipling द्वारा रचित कविता "If' से ली गयी हैं।

प्रसंग-इन पंक्तियों में कवि हमें जीवन में कुछ गुणों को अपनाने हेतु प्रेरित करता है जो कि जीवन में संतुलन बनाने और सफलता प्राप्त करने के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।

व्याख्या-इन पंक्तियों में कवि कहता है कि यदि हम सामान्य लोगों में मिश्रित (उनके सम्पर्क में) हों तब भी' हमें अपने सद्‌गुणों को बनाए रखना चाहिए। इसी प्रकार यदि हम राजा-महाराजा जैसे विशेष लोगों के साथ हों, तब भी आम (सामान्य) लोगों के साथ सम्बन्ध बनाये रखने चाहिये। हमें सामान्य और राजा, महाराजाओं जैसे विशिष्ट लोगों दोनों के साथ समान भाव रखना चाहिये। ऐसी दशा (स्थिति) में न तो दुश्मन और न ही प्रिय मित्र हमें हानि पहुंचायेंगे। किसी को भी अत्यधिक महत्त्व दिये बिना हमें सभी का सम्मान करना चाहिये। हमें अपने एक-एक क्षण (मिनट) का पूरा और सर्वोत्तम उपयोग करना चाहिये। हमें कभी भी समय व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिये। यदि हम इन सबको अपना लें, तो सफलता हमारी होगी।' और सबसे महत्त्वपूर्ण यह कि हम सच्चे अर्थ में 'मनुष्य' बन जायेंगे।